Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 02-03-2005

Participants : Singh Shri Lakshman

>

Title: Need to review the decision to permit foreign direct investment in the retail sector.- Laid.

श्री लक्ष्मण सिंह (राजगढ़) : अध्यक्ष महोदय, खुदरा व्यवसाय (रिटेलिंग) उत्पादक और व्यक्तिगत उपभोग के लिए वस्तुओं को खरीदने वाले उपभोक्ता के बीच कड़ी का काम करता है। जीडीपी में योगदान के संदर्भ में व्यापार या खुदरा व्यवसाय सेवा क्षेत्र का सबसे बड़ा अवयव है। 14 प्रतिशत की इसकी विशाल हिस्सेदारी सेवा क्षेत्र की दूसरी विशालतम हिस्सेदारी है। खुदरा व्यवसाय संगठित और असंगठित क्षेत्रों में विभाजित होता है। असंगठित खुदरा व्यवसाय भारत में व्यापार का अधिक प्रचलित रूप है। वह कुल व्यापार का 98 प्रतिशत हिस्सा है जबकि संगठित व्यापार का हिस्सा केवल 2 प्रतिशत है। आकलनों में भारत के खुदरा व्यवसाय के वास्तविक आकार के विाय में एक विशेाज्ञ एटी-केरनी के अनुसार 4 लाख करोड़ रूपये का है, जिसके 2005 में दु गुना होने की संभावना है। फिक्की ने भी खुदरा व्यवसाय का आकलन 11 लाख करोड़ रूपये अथवा जीडीपी का 44 प्रतिशत किया है।

केन्द्र सरकार का खुदरा व्यवसाय में भी विदेशी पूंजी निवेश कराने की नीति के कारण लगभग 4 करोड़ लोग बेरोजगार हो जायेंगे। इसलिए खुदरा व्यापार में विदेशी पूंजी निवेश कराना देश के लिए बहुत हानिकारक सिद्ध होगा।